

Proceedings of Farmers Training on Agro forestry in

Chandauli District of Eastern UP

A One –day Farmer's Training on "Development of Agro forestry in Eastern Uttar Pradesh" was organized by CSFER, Allahabad in District Chandauli on 27.03.2015 to educate and aware local farmers about adoption of agro forestry in the region. Shri Manoj Sonkar, Divisional Forest Officer, Chandauli was the chief guest and Sant Pandey, President, Chandraprabha Krishi Vikas Samiti, Chandali, A. K. Jaiswal, SDO, Chandauli, R. S. Shukla, Range Officer, Nand Lal Kushwaha ,Range Officer , Parshuram Singh, Vriksha Bandhu and Lolalal Pandey, Progressive farmer were also present on the occasion as special guests. Dr. Kumud Dubey, Director ,CSFER welcomed guests and farmers and highlighted the importance of agro forestry in the region. She emphasized about adoption of *Melia dubia* (Burma drek) in agro forestry in different crop combinations by the farmers. She described about nursery raising, plantation and sale of end produce of *Melia* wood to various industries. She assured farmers for making available seedlings of Melia through Forest Department for taking up plantations.

Dr. Anubha Srivastav, Scientist, CSFER, Allahabad delivered a lecture on planning of agro forestry on farmers land by adoption of other commercial species as Eucalyptus, Teak, Shisham, Bamboos, Aonla and also focused on species whose availability is decreasing with time as Neem, Deshi Mango, Desi Babool, kathal etc. in the region. She explained farmers about plantation techniques of these species and their adoption as per availability of land size. She also explained farmers about tree harvesting and transit rules of UP Forest Department and sale of tree produce to different plywood and veneer industries of Kashi Forest Division.

The chief guest Shri Manoj Sonkar, DFO addressed farmers for taking up plantations on their fields and assured them about full cooperation and support by Forest Department. Shri R. S. Shukla, Range Officer highlighted about seedlings available in forest nursery for the farmers. He requested farmers for directly approaching department for felling permit without involving middle men for selling their tree produce. The farmers interacted with experts about availability of plants, constraints faced by them in selling of timber in the market. The programme was successfully conducted by Dr. Anubha Srivastav, Scientist, CSFER, Allahabad.

Glimpses of Farmer's Training on "Development of Agro forestry in Eastern Uttar Pradesh" was organized by CSFER, Allahabad in Chandauli District on 27.03.2015



कृषि वानिकी से बढ़ाएं आय

चकिया के वनविश्राम गृह में कृषक प्रशिक्षण में दी गई जानकारी

ज्ञान से

संवाददाता

चकिया: समाजिक जागरूकी की दूर-दूर तक फैलाने के लिए प्रशासन के तत्वावधान में शुक्रवार को चकिया वन विश्राम गृह में 'कृषि वानिकी का विकास' विषयक संश्लेषण के साथ कृषक प्रशिक्षण एवं प्रदर्शन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें विभाग में कृषि वानिकी के ज्ञान को आस-सुआने का जोर दिया गया।

सामाजिक जागरूकी की दूर-दूर तक फैलाने के लिए प्रशासन के तत्वावधान में शुक्रवार को चकिया वन विश्राम गृह में कृषि वानिकी अन्वयन कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें कृषि वानिकी में महिलाओं को प्रशिक्षण देने के लिए चकिया वन विश्राम गृह में कृषि वानिकी के प्रदर्शन के साथ कृषक प्रशिक्षण एवं प्रदर्शन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें विभाग में कृषि वानिकी के ज्ञान को आस-सुआने का जोर दिया गया।

वर्ग जैस की इसकी अन्वयन का सिखाने को दिया सुझाव

प्रशिक्षण के दौरान कृषक अपने अपने क्षेत्रों को देखने का दिया ज्ञान बत

में भारतीय महिलाओं ने अपनी क्षेत्रों को देखने का दिया ज्ञान बत। इसमें कृषि वानिकी के ज्ञान को आस-सुआने का जोर दिया गया।

इसमें कृषि वानिकी के ज्ञान को आस-सुआने का जोर दिया गया। इसमें कृषि वानिकी के ज्ञान को आस-सुआने का जोर दिया गया।



चकिया के वनविश्राम गृह में कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर विभाग में कृषि वानिकी के ज्ञान को आस-सुआने का जोर दिया गया। इसमें कृषि वानिकी के ज्ञान को आस-सुआने का जोर दिया गया।

संवाददाता

चकिया: समाजिक जागरूकी की दूर-दूर तक फैलाने के लिए प्रशासन के तत्वावधान में शुक्रवार को चकिया वन विश्राम गृह में 'कृषि वानिकी का विकास' विषयक संश्लेषण के साथ कृषक प्रशिक्षण एवं प्रदर्शन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें विभाग में कृषि वानिकी के ज्ञान को आस-सुआने का जोर दिया गया।

इसमें कृषि वानिकी के ज्ञान को आस-सुआने का जोर दिया गया। इसमें कृषि वानिकी के ज्ञान को आस-सुआने का जोर दिया गया।

Amar Ujala 28th March, 2015 (Varanasi - Chandauli Edition)

गुणवत्ता युक्त पौधे वनों की जान



चकिया में संगोष्ठी को संबोधित करती ड. कुमुद दुबे।

चकिया (चंदौली): नगर स्थित वन विश्राम गृह (दिलकुशा) में सामाजिक वानिकी संगोष्ठी का आयोजन शुक्रवार को किया गया। संगोष्ठी के माध्यम से कृषक प्रशिक्षण व प्रदर्शन कार्यक्रम पर प्रकाश डालते हुए केंद्र निदेशक डा. कुमुद दुबे ने कृषि वानिकी के विकास के बाबत विस्तार से जानकारी दी। संगोष्ठी के मुख्य अतिथि प्रभागीय वनाधिकारी मनोज सोनकर ने उच्च गुणवत्ता के पौधे कृषि वानिकी में उपलब्ध कराने व कृषि वानिकी में आने वाले व्यवहारिक कठिनाईयों को दूर करने का भरोसा जताया। कहा कि गुणवत्ता युक्त पौधों जंगलों में हरियाली लाने में मददगार साबित होंगे। जरूरत है कि रोपित पौधों की सुरक्षा के प्रति प्रत्येक व्यक्ति सजग हो।

सामाजिक वानिकी एवं परिपूर्ण स्थापना केंद्र इलाहाबाद की डायरेक्टर कुमुद दुबे ने कृषि वानिकी में मिलिया, डूरिया (वर्माड्रेक) अपनाने की नसीहत दी। केंद्र के वैज्ञानिक डा. अनुस्का श्रीवास्तव ने भूमि की उपलब्धता के आधार पर उचित प्रजातियों को पौधे रोपित किये जाने पर बल दिया। वन क्षेत्राधिकारी चंद्रप्रभा आरएस शुक्ला ने यूकेलिप्टस, सागौन, बांस, शीशम, आंवला, सहजन समेत अन्य फलदार पौधे लगाने के लिए प्रेरित किया। संगोष्ठी को वृक्ष बंधु परशुराम सिंह, वन क्षेत्राधिकारी चकिया नंदलाल कुशवाहा, लोलारख पांडेय ने संबोधित किया। अध्यक्षता प्रगतिशील किसान संतराम पांडेय व संचालन डा. अनुस्का श्रीवास्तव ने किया।

Dainik Jagran 28th March, 2015 (Chandauli Edition)